विवाह पंचमी पूजा विधि - Vivah Panchami Puja Vidhi PDF In Hindi

विवाह पंचमी पूजा विधि (Vivah panchami Puja Vidhi)

- विवाह पंचमी पर सूर्योदय के पूर्व उठकर तीर्थ स्नान या पानी में गंगाजल मिलाकर स्नान करें. इस दिन व्रत करने से सुख-समृद्धि में बढ़ोत्तरी होती है.
- पूजा की चौकी पर राम-सीता की मूर्तियां स्थापित करें. फूल, माला, चंदन, रोली, अक्षत, फल, मिठाई, धूप, दीप अर्पित करें. माता सीता को सुहाग की समाग्री चढ़ाएं. पूजा के दौरान राम-सीता के मंत्रों का जाप करें
- विवाह पंचमी सोमवार को है और शिव-पार्वती की पूजा से वैवाहिक जीवन में मिठास आती हैं ऐसे में इस दिन राम-सीता के साथ शिव-पार्वती की उपासना का शुभ संयोग बन रहा है.
- घर या राम-सीता के मंदिर में रामायण के बालकांड में विवाह प्रसंग का पाठ करें. इस दिन रामचरितमानस का पाठ करने से परिवार में सुख-सौभाग्य आता है.
- जरूरतमंदों को अन्न, धन, वस्त्र का दान करें. महिलाओं को सुहाग का सामान कुमकुम, सिंदूर, चूड़ियां, बिंदी, साड़ी, आदि चीजें दान करें. ऐसा करने पर अंखड सौभाग्यवती का वरदान मिलता है

विवाह पंचमी मंत्र (Vivah Panchami Mantra)

- तौ भगवानु सकल उर बासी। करिहि मोहि रघुबर कै दासी। जेहि कें जेहि पर सत्य सनेहू। सो तेहि मिलइ न कछु संदेहू।।
- ॐ आपदामप हर्तारम दातारं सर्व सम्पदाम, लोकाभिरामं श्री रामं भूयो भूयो नामाम्यहम, श्री रामाय रामभद्राय रामचन्द्राय वेधसे रघुनाथाय नाथाय सीताया पतये नमः
- ॐ दाशरथये विद्महे जानकी वल्लभाय धी महि। तन्नो रामः प्रचोदयात् ।।
- ॐ जनकनंदिन्यै विद्महे, भुमिजायै धीमहि। तन्नो सीता: प्रचोदयात् ।।

विवाह पंचमी महत्व

मान्यताओं के अनुसार, विवाह पंचमी के दिन माता सीता और भगवान राम का विवाह हुआ था।

इसलिए इस दिन माता सीता और श्री राम की पूजा का विधान है। इस पर्व को अयोध्या और नेपाल में विशेष आयोजन किया जाता है। इन जगहों पर भव्य रूप से विवाह पंचमी का उत्सव मनाया जाता है।

माना जाता है कि इस दिन शुभ योग में मांगलिक कार्यों करने से शुभ फलों की की प्राप्ति होती है। इसके साथ ही इस दिन पूजन अनुष्ठान करने से दांपत्य जीवन में खुशियां ही खुशियां आती है।

विवाह पंचमी के दिन कुछ खास उपाय करके वैवाहिक जीवन में आने वाली हर समस्या से छुटकारा पा सकता है।

Pandbook.com